

Ú~æ}ã[Á ^!æ -æà!è&æðæá á^Á { [á[Á &]ç^}&á[]æÉÁ æÁ *æ!æáæá] @æÁ { æ } * ^á!æ•Á^çc^! }æ•Áæá] á[Áá^!æÉÁÔ { ÁæÁ -æà!è&æ8è[Á æðáççæÉÁ]æ!æÁ &æðæÁ Áá^Á[Áá áæÁ *æ!æÁ -[áá áæá[Á ~ { Á &æ }æ!á á^Á ç! & [Á á]c^! } [ÉÁ ~ ^Á ^!á]á } [^ Á æ•Á { æ } * ^á!æ•É

Úæ!æÁæÁ Ó T Y ÉÁ æÁ]á^!áæá^Á á^Á á^•á* } Á] ^! { áç^Á ~ ^Á [•Á ç!æàæ] @æá [^•Á áæÁ]á] @æÁ á^Á { [] çæ*^ ^ { Á ç^ } @æ { Á ~ { æÁ -^!æ { ^ } çæÁ ~ ^Á æ!æ&æ } 8æÁæ•Á] æ!ç^•Áá } -^!á [^•ÉÁ æç! •Á^Áá^ } ç! [Á á [•Á] æ!æÉ&@ [~ ^•ÉÁ U•Á^ } *^] @^! [•Á á^Á] : [á ~ 8è [Á - [&æ!æ { ÉÁ ^ç&] •ççæ { ^ } ç^Á] æÁ ~ ^ } 8è [ÉÁ [Á ~ ^Á] ^•^] ç [^ Á ^ { Á ~ { æÁ -^!æ { ^ } çæÁ - [] { æçæðæá á^Á { [á [ÁæÁæ] &æ } 8æ!á [•Á] æ!æÉ&@ [~ ^•É

CEÁ]á^!áæá^Á } [Á á^•á* } Á çæ { à... { Á } [á^Á { ^!@ []æ!á æÁ ^! * [] [{ æááæ•Á-^!æ { ^ } çæÁ á^Á { æ } ~ æç!æÉÁ UÁ] ^• [ÉÁ [Á ^ ~ ^!ðá]á [Á ^Á æÁ] [•á8è [Á áæÁ -^!æ { ^ } çæÁ ç - [Á ^ áç [•Á áá^ç [•Á • [á!^Á [Á &] - [ç [Á á [Áç...&] á& [ÉÁ [Á&á&] [Á á^Áç^]] [Á á [Á] : [&^•• [Á ^Á æÁ -æ&á]áæá^Á á^Á æ&^•• [Á ^Á æ! { æ : ^ } æ { ^ } ç [ÉÁ Úæ!æá æ] &æ } 8æ!á æÁ ^! * [] [{ æáá ááæ]ÉÁ •á {]] ^• { ^ } ç^ÉÁ] : [b^ç^Éæá ^ { Á • ~ æ•Á -^!æ { ^ } çæ•ÉÁ Ú [] Á ^ç^ {]] [ÉÁæÁ Ó T Y Á : ^á^••] @ [^ Á ~ { Á áá•] [•áçç [Á] æ!æÁ [Á æ]á] @æ { ^ } ç [Á á^Á • ^ ^ ^ { á^ } çæÁ æá -á { Á á^Á { ^!@ []æ!á [Á ^ ~ ^!ðá]á [Á^!á^á ~ : á!á [Á] ^• [ÉÁQ•• [Ááá { á } ~ á^ÁæÁç^ } •è [Á á [Á ç!æàæ] @æá [] Á ^Á { ^!@ [] : [^ Á [Á ç^ {]] [Á] æ!æÁ æÁ -áççæ8è [Á á [Á ^ ^ { á^ } çæ!æá { æ!æÉ

W { æÁ { æ } ^á!æÁ { ~ áç [Á •á {]] ^•Á] æ!æÁ æ!æççæ } &æ!á æÁ]á^!áæá^Á á^Á á^•á* } Á...Á & [] • []áæ!á æÁ { [] çæ*^ ^ { Á ^ { Á ~ { æÁ •5á] æ!ç^ÉÁ T ~ æçæÁ ç^ : ^•ÉÁ æ•Á] ^8æ•Á ^Á [•Á æ&^••5á]á [•Á •è [Á & [{]] [•ç [•Á á^Á { ~ áçæ•Á] æ!ç^•ÉÁ Q•ç [Á...Á á^• } ^ç^••]]á [Á & [{ Á æÁ -æà!è&æ8è [Á æðáççæÉÁ Ú^Á] ^! : [á ~ : á!á ~ { æÁ -^!æ { ^ } çæÁ ^çá^• } ç^ÉÁ & [{ ^ &^Á & [{ Á ~ { Á } [ç [Á á^•á* } Á ~ ^Á & [] • []áæ!á çæ } ç [•Á & [{]] ^ } ç^•Á ~ ^æ } ç [Á] [••çç^!á^ ^ { Á ~ { æÁ g } á&æÁ] ^8æÉÁ Ú^Á - [] : [] b^çæ!á ~ { Á } [ç [Á áç^ { ÉÁ &]á^É [Á á] ç^!á8 [ÉÁ ^ { Á ~ { æÁ g } á&æÁ] ^8æÉÁ CE] ^ } çæ•Á •^ } æ!áæÁ] æ!ç^•Á ~ ^æ } á [Á - [] Á çæ } çæb [• [Á] æ!æÁ [Á ~ ^ } &á { } ç { ^ } ç [Á áæÁ] ^8æÁ [~ Áá [Ááá•] [•áçç [É

Q] ç^!æ!á æ•Á] æ!ç^•Á ^ { Á ~ { Á •5á & [{]] ^ } ç^Á] æ!á^•• } çæÁ { ~ áçæ•Á çæ } çæ*^ } •K

- Ò]á { á } ^Á [Á á^•á -æ-á [Á áæÁç [] ^!é } &áæ
Tæ } ç^!æ•Áç [] ^!é } &æ•Á á^Áçæ { æ } @ [Á...Áæ! [ÉÁ Ú^Á á ~ æ•Á] æ!ç^•Á á^Áæ& []] æ { ^ } ç [Á •è [Á & [{ áá] æáæ•Á ^ { Á ~ { æÉÁ ^ { Á ^•Á ~ ^áæÉÁ ç [á [•Á •Á & ~ •ç [•Á ^Áæ•Á] ^! & []] ^ } ç^•Á & [{ Á [Á & [] ç! [] ^Á áæ•Á ç [] ^!é } &áæ•Á áæ•Á] æ!ç^•Á & [{]] ^ { ^ } çæ!á^•Á •è [Á^!á { á } æá [•É

- Ò]á { á } ^Á [Á á^•á { []] çæ*^ ^ {

Obviamente, as partes precisam ser montadas. Isso leva tempo, principalmente para itens específicos, como peças e acessórios, nos quais o encaixe perfeito não é garantido.

- Ú^á ~ : æÁæÁá [& ~ { ^ } çæ8è [Á^ÁæÁ • [á!^æ! *æ
CEÁ • [{ æá áæ•Á] æ!ç^•Á...Á { ^ } [] Á ~ ^Á [Á ç [á [ÉÁ ~ ^æ] á [Á] ^Áç!ææáá^Áç^ {]] ^Á^á & ~ •ç [ÉÁÔ] • []áæ!á] ^8æ•Á] ^Á : Á [Á & ~ •ç [Á áæ•Á æ8/^•ÉÁ çæ!á & [{ [Á á^•á* } ÉÁ á [& ~ { ^ } çæ8è [ÉÁ & [çæ8è [ÉÁ] ^áá [•Á ^Á *^•çè [Á á^Á á] ç^ } ç!]á [É

GESTÃO

R] á] è [Á & [] •á^!á^ { æ!á • ~ æ•Á] ^8æ•ÉÁ æ&^••5] á [•ÉÁ áá•] [•áçç [•Á ^Á [~ ç!æ•Á -^!æ { ^ } çæÁ á^Á { æ } ~ æç!æÁ & [{ [Á æçç [•ÉÁ Ô { Á ç^ : Á áá• [ÉÁ] ^ } •^Á] ^!^Á & [{ [Á á^•Á] ^•æ•ÉÁ ^Á [áç [•Á á^•&æ!ç!ç^•ÉÁ Úæ!æá •^!^ { Á & [] •á^!æá [•Áæçç [•ÉÁæ•Á] ^8æ•Á^Á [•Áæ&^••5] á [•Á •è [Á æ! { æ : ^ } æá [•Áçá] ç^ } çæ!áæá [•DÁ^ } ç!^Á [•Á] ^!ð [á [•Áá^Á ~ • [ÉÁÔ] ^•Á] ^! { æ } ^ & ^ { Á ^ { Á^•ç [~ ^Áæç...Á ~ ^Áæ!á] } @æá á^Á] : [á ~ ç [•Á •^æÁ] á { á } æáæá [~ ^ ~ æ] á [Á] ^!^•Á } è [Á] [••æ { Á { æ!á •^!á] ^!æ!á [•ÉÁ á^ççá [Á æ [Á á^•Á *æç^ÉÁ] á] : [á ~ 8è [Á á^Á -^!æ { ^ } çæÁ æç!æç...Á á^Á { ... [á [•Á & [] ç^ } &á [] æ!á^Á] æ!á •è [Á ç]á [•æ•Á á^ { æ!á] æ!æÁ •^!^ { Á b [~ æáæ•Á - [] æÁ & [{ [Á áç^ } •Á á^•&æ!ç!ç^•ÉÁ á^ççá [Á æ [Á ç^ {]] [ÉÁ æ [Á & ~ •ç [Á ^Á æ [•Á ^• - [] 8 [•Á á^Á -æà!è&æ8è [É

Ò } ç!^çæ } ç [ÉÁ •^çæá æá [] áæ*^ ^ { Á ç!æ : Á { ~ áç [•Á & ~ •ç [•Á á] áá!ç [•ÉÁ P] á & ~ •ç [•Á] æ!æÁ [Á ^•] æ8 [Á] æÁ] : æç^!æ!æÁ çá^•] ^•æ!á^Áæ! { æ : ^ } çæ*^ { D] á & ~ •ç [Á] æ!æÁ *^!^ } &áæ!á ^Á & [] ç! [] æ!á [Á ^•ç [~ ^Á^Á & ~ •ç [Á] æ!æÁ [] æ]á : æ!á ~ { æÁ] ^8æÁ [~ Á æ&^••5] á [ÉÁ ~ ^æ] á [Á] ^!^••] á [ÉÁ Úæ!æÁ -^!æ { ^ } çæÁ ~ æáæ•Á ^•] [] æáá&æ { ^ } ç^ÉÁ ^•ç^•Á & ~ •ç [•Á] [á^ { Á^•!ááæçæ } ç^Á^•á* } á-á&æçç [•É

UÁ [] [•ç [Á] [á^Á •^!á ç^!áæá^!á [Á & [{ Á æÁ -æà!è&æ8è [Á æááççæÉÁ T ~ æçæ•Á ç^ : ^•ÉÁ] ç^Á] çæ!áæ!á æ•Á] ^8æ•Á ^Á æ&^••5] á [•Á á [Á ~ ^Á] æ!æÁ] ^•æ : - [] •ÉÁ CE ••á { ÉÁ æ•Á ^ {]] ^•æ•Á æá [çæ { Á ~ { æÁ æá [] áæ*^ ^ { Á á^Á *^•çè [Á & @æ { æáæ!á^Áæ! { æ : ^ } çæ*^ ^ { Á áá^áççÉÁ] æÁ ~ ^æ!á æ] ^ } çæÁ [Á æ! ~ áç [Á áá^áççÉÁ ...Á & [] çæáá]á : æá [Á] [Á á] ç^ } ç!] á [ÉÁ Ú [á^Á] æ!^ & ^!á á {] ^ } •] ç^!á á^••æ : ^!É•^Á á^Á ~ { æÁ -^!æ { ^ } çæÁ á^Á { æ } ~ æç!æÁ^ { Á] ^!^ç [Á^•çæá [ÉÁ { çæ•Á] æ!æÁ ~ ^!æ•Á á^Á • [Á] [& [Á - ^ ~ ^ } ç^ÉÁ^•çæ!áæá [] áæ*^ ^ { Á!á^á : Á [•Á & ~ •ç [•Á^Á [Áç!æàæ] @ [É

